<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

<u>इरेडा के सीएमडी ने 'आईसीजीएच 2023' में ग्रीन फाइनेंसिंग के बारे में विजन शेयर किया</u>

<u>इरेडा ग्रीन हाइड्रोजन की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को वित्तपोषित करने की तैयारी कर रहा है: सीएमडी</u>

नई दिल्ली, 06 जुलाई 2023

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री प्रदीप कुमार दास ने आज विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित "ग्रीन हाइड्रोजन 2023 (आईसीजीएच 2023) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में एक पैनल चर्चा के दौरान अपना विजन व्यक्त किए । यह पैनल चर्चा "ग्रीन फाइनेंसिंग" पर केंद्रित थी, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञों और हितधारकों को आकर्षित किया गया था।

सम्मानित श्रोताओं को अपने संबोधन में, सीएमडी ने राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन में उल्लिखित भारत सरकार के विजन के अनुरूप, ग्रीन हाइड्रोजन की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के वित्तपोषण के लिए इरेडा की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने आईसीजीएच 2023 के लिए

माननीय प्रधान मंत्री द्वारा दिए गए संदेश पर प्रकाश डाला, जिसमें सतत विकास और डीकार्बोनाइजेशन प्राप्त करने में ग्रीन हाइड्रोजन की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया।

सीएमडी ने आगे बताया कि जहां बाजार नवीकरणीय और नई प्रौद्योगिकी परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए ग्रीन टैक्सोनॉमी-आधारित लाभों की मांग करता है, वहीं हाई -टिकट साइज की ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं को इस क्षेत्र की वित्तपोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न वित्तपोषण करने वाली संस्थानों के बीच सहयोग की आवश्यकता होती है। चल रहे ऊर्जा परिवर्तन को स्वीकार करते हुए, उन्होंने एनबीएफसी और बैंकों से इस क्षेत्र के विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए सहयोगात्मक जिम्मेदारी को रेखांकित करते हुए ग्रीन हाइड्रोजन डेवलपर्स का समर्थन करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आह्वान किया।

श्री दास ने भारत सरकार द्वारा घोषित एनडीसी लक्ष्यों के तहत स्टील, सीमेंट और उर्वरक जैसे भारी उद्योगों को डीकार्बोनाइजिंग करने के लिए ग्रीन हाइड्रोजन के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि इरेडा इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए संपूर्ण आर्थिक मूल्य श्रृंखला के डीकार्बोनाइजेशन में एक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है, जोकि उनके विकास में "मातृत्व" भूमिका निभा रहा है जैसा कि अतीत में किया निभाया गया था। उन्होंने बहुपक्षीय एजेंसियों को टर्नअराउंड समय और परिचालन प्रक्रियाओं में कम समय सुनिश्चित करने के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस के उच्चतम मानकों का पालन करते हुए, भारतीय एनबीएफसी के साथ मिलकर अपनी मंजूरी और वित्तपोषण प्रक्रियाओं और प्रणालियों को सुव्यवस्थित और यथाशीघ्र करने के लिए पुनः विचार करने की सलाह दी। उन्होंने आगे कहा कि इस वर्तमान शासन में, विकास बैंकों के माध्यम से बहुपक्षीय एजेंसियों से प्रारंभिक चरणों में व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण, उपकरण गारंटी, मतभेदों के लिए अनुबंध आदि के माध्यम से समर्थन की उम्मीद की जाती है।

श्री दास ने इस तथ्य पर महत्व दिया कि ऋणदाताएं, परियोजना के आकार के बजाय, जो वास्तव में मायने रखते हैं कि वे निर्धारित मानदंडों के अनुपालन के साथ-साथ परियोजना की वित्तीय और आर्थिक व्यवहार्यता दोनों दृष्टिकोण से हैं । उन्होंने उधारदाताओं को सुनिश्चित चुकौती की सुविधा प्रदान करने के लिए ग्रीन हाइड्रोजन के लिए डिमांड एग्रीगेटर्स द्वारा निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। श्री दास ने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन परियोजना के वित्तपोषण के लिए सर्वोत्तम चुकौती अवधि सुनिश्चित करने के लिए ग्रीन हाइड्रोजन के मूल्य निर्धारण और ऑफ-टेक प्रतिबद्धताओं के लिए समानता स्थापित करने की आवश्यकता है।

परियोजना डेवलपर्स के प्रति इरेडा की प्रतिबद्धता पर बोलते हुए, श्री दास ने जोर देकर कहा कि परियोजना डेवलपर्स स्पष्टता, दृढ़ विश्वास और प्रतिबद्धता चाहते हैं, और इरेडा ने यथासंभव सर्वोत्तम सीमा तक उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने का प्रयास किया है। व्यवसाय करने में आसानी की भावना को ध्यान में रखते हुए,इरेडा ने उधारकर्ताओं को व्यक्तिगत रूप से कार्यालय में आए बिना ऋण मंजूर किए हैं।

उन्होंने विस्तार से बताया कि इरेडा ने वित्तीय वर्ष पूरा होने के केवल 90 दिनों में वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए वार्षिक खातों को अपनाने के लिए अपनी एजीएम पूरी कर ली है, जोकि एक रिकॉर्ड के रूप में सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले कॉर्पोरेट प्रशासन और पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्धता के साथ-साथ विकास की उच्च गति का भी प्रतीक है।

इस पैनल चर्चा का संचालन इंडो-जर्मन एनर्जी फोरम के निदेशक, श्री टोबियास विंटर्स द्वारा किया गया था, और इसमें आरईसी के निदेशक (वित्त), श्री अजॉय चौधरी ,विश्व बैंक की वरिष्ठ ऊर्जा विशेषज्ञ, सुश्री सुरभि गोयल; टाटा क्लीनटेक कैपिटल लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख, श्री मुदित जैन और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड के उपाध्यक्ष, श्री कुमार बिभु सहित सम्मानित पैनलिस्ट शामिल थे ।